बनारसी साड़ी में सारा तेंदुलकर का रॉयल लुक

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर एक बार फिर अपने फैशन स्टाइल को लेकर चर्चा में हैं. सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली सारा अक्सर अपने अलग-अलग लुक्स की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, लेकिन इस बार उनका पारंपरिक अंदाज फैंस को खासा पसंद आ रहा है. सारा ने पेस्टल ग्रीन बनारसी साड़ी में अपनी तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें उनका लुक बेहद एलिगेंट, क्लासी और रॉयल नजर आ रहा है.

सारा ने पेस्टल ग्रीन कत्थन सिल्क बनारसी हैंडलूम साड़ी को ऑफ-व्हाइट कॉर्सेट-स्टाइल ब्लाउज के साथ पेयर किया है. साड़ी और ब्लाउज का यह कॉम्बिनेशन ट्रेडिशनल और मॉडर्न फैशन का बेहतरीन मेल दिखाई देता है. साड़ी की पारंपरिक बुनावट जहां उनके लुक में भारतीय संस्कृति की झलक देती है, वहीं कॉर्सेट-स्टाइल ब्लाउज इसे मॉडर्न और स्टाइलिश टच देता है. उनके ब्लाउज को ऑफ-व्हाइट प्योर सैटिन सिल्क और ऑर्गेंजा सिल्क से तैयार किया गया है. इसे पेस्टल ग्रीन बनारसी साड़ी के साथ पेयर किया गया है. आउटफिट की डिजाइनिंग तिल्फी ने की है.

सारा ने इस पूरे लुक को बेहद संतुलित तरीके से स्टाइल किया है, जिससे साड़ी और ब्लाउज दोनों की खूबसूरती साफ तौर पर नजर आती है. सारा ने अपने लुक को डायमंड नेकलेस के साथ पूरा किया. ज्वेलरी का यह चुनाव उनके पारंपरिक आउटफिट को एक रॉयल फिनिश देता नजर आया.

यश से ज्यादा मेहनती अभिनेता मैंने कभी नहीं देखा : नयनतारा

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री नयनतारा ने सुपरस्टार यश की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उन्होंने अपने करियर में कई बड़े सुपरस्टार और अभिनेताओं के साथ काम किया है, लेकिन यश से ज्यादा मेहनती अभिनेता उन्होंने कभी नहीं देखा।

बेंगलुरु में हाल ही में 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर नयनतारा ने कहा, 'पहली बार जब मैं यश से मिली, तो उनकी पर्दे पर नजर आने वाली बड़ी छवि को उनके व्यक्तित्व में भी देखा. मैंने कभी भी उनसे ज्यादा मेहनती अभिनेता नहीं देखा. सेट पर हर दिन उनके काम करने का तरीका देखकर मैं हैरान होती थी. इस व्यक्ति ने अपने जीवन के साढ़े चार साल दिए. उन्होंने परिवार और बच्चों के साथ अपने समय का त्याग किया और उनका पूरा ध्यान काम पर था.

'उन्होंने कहा कि 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में यश ने अपने काम के लिए करीब साढ़े चार साल समर्पित किए और इस दौरान परिवार तथा बच्चों के साथ अपने समय का भी त्याग किया.

यश की कार्यशैली की जमकर तारीफ करते हुए नयनतारा ने उन्हें 'रॉकी भाई' कहकर संबोधित किया. उन्होंने कहा कि यश की पर्दे पर जैसी बड़ी और प्रभावशाली छवि है, वह असल जिंदगी में भी उसी तरह के हैं. नयनतारा ने कहा कि यश ने जिस तरह फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास का साथ दिया, वह भी उनके लिए बेहद खास रहा. उन्होंने कहा, मैंने कभी किसी अभिनेता को निर्देशक का इस तरह ख्याल रखते हुए नहीं देखा. अभिनेता, निर्माता और इंसान के तौर पर मेरे मन में यश के लिए बहुत प्यार और सम्मान है.

उन्होंने यश की पत्नी राधिका के योगदान का भी उल्लेख किया. नयनतारा ने कहा कि फिल्मों में कलाकारों और तकनीकी टीम के योगदान की चर्चा तो होती है, लेकिन परिवार के त्याग के बारे में कम बात की जाती है. उन्होंने राधिका को यश की सबसे बड़ी ताकत बताया. नयनतारा ने फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास की भी प्रशंसा की. उन्होंने बताया कि गीतू और उनकी मुलाकात करीब 20 वर्ष पहले हुई थी.

टेलीविजन हलचल

ये रिश्ता क्या कहलाता है' में नया घमासान

स्टार प्लस के चर्चित सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में आने वाले एपिसोड्स में जबरदस्त ड्रामा देखने को मिलने वाला है. कहानी अब पोद्दार और दामानी परिवारों के बीच बढ़ती दुश्मनी के इर्द-गिर्द घूम रही है. एक के बाद एक ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिनसे दोनों परिवारों के बीच की दूरी और बढ़ती जा रही है. अब अभिरा ने दामानियों के खिलाफ मोर्चा खोलने का मन बना लिया है और वह अपनी बेटी को नुकसान पहुंचाने वालों को सबक सिखाने की तैयारी में है. अरमान अपनी बेटी मायरा से मिलने जयपुर पहुंचता है. इसी दौरान राघव और नंदिनी भी अपने बेटे कबीर से मिलने वहां पहुंचते हैं. लेकिन हालात अचानक बिगड़ जाते हैं, जब कबीर घायल हो जाता है. कबीर को चोटिल देखकर राघव घबरा जाता है और वहां अरमान की मौजूदगी देखकर उसे शक होता है कि इस घटना के पीछे अरमान का हाथ है. राघव उससे सवाल करता है, लेकिन अरमान अपनी मौजूदगी की वजह बताने से इनकार कर देता है. हालांकि वह साफ कहता है कि वह कभी किसी बच्चे को अपने पारिवारिक विवाद में नहीं घसीटेगा और कबीर को नुकसान पहुंचाने का सवाल ही नहीं उठता. कहानी का दूसरा मोर्चा अभिरा और दामानी परिवार के बीच खुलता है. सामर का एक दोस्त नशे की हालत में मुक्ति और अभिरा के साथ बदसलूकी करता है. अभिरा उसे जमकर फटकार लगाती है और मुक्ति को ऐसे लोगों से दूर रहने की सलाह देती है. लेकिन गुस्से में वह शख्स मुक्ति को धक्का दे देता है. सड़क पर गिरने से मुक्ति को चोट लग जाती है.

बंटवारा 1947 के प्रमोशन में सनी पहुंचे अमृतसर

आमिर खान प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंटवारा 1947' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ती जा रही है. फिल्म के प्रमोशन के लिए अभिनेता सनी देओल और उनके बेटे करण देओल इन दिनों पंजाब पहुंचे हैं. इसी दौरान दोनों अमृतसर स्थित पार्टिशन म्यूजियम पहुंचे, जहां उन्होंने भारत-पाकिस्तान विभाजन से जुड़ी तस्वीरों, दस्तावेजों और स्मृतियों को करीब से देखा.

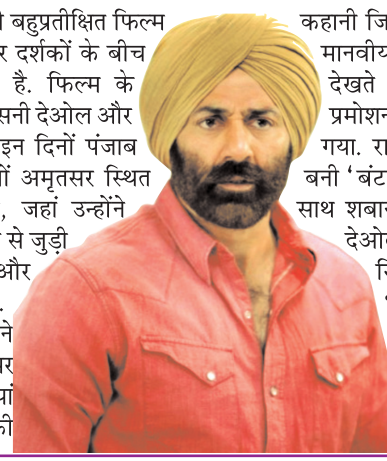

सनी देओल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस दौरे की कुछ झलकियां भी साझा की हैं. फिल्म की कहानी जिस ऐतिहासिक दौर और उसकी मानवीय त्रासदी पर आधारित है, उसे देखते हुए म्यूजियम का यह दौरा प्रमोशनल अभियान का खास हिस्सा बन गया. राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी 'बंटवारा 1947' में सनी देओल के साथ शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे.

फिल्म 1947 के विभाजन की पृष्ठभूमि में आम लोगों की जिंदगी पर पड़े असर को सामने लाती है.

मिर्जापुर : द मूवी के ट्रेलर से पहले जारी हुआ दमदार पोस्टर

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मिर्जापुरः द मूवी' के ट्रेलर लॉन्च से पहले निर्माताओं ने फिल्म के चार नए और दमदार पोस्टर जारी किए हैं. पोस्टर्स में कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), मुन्ना भैया (दिव्येंदु), गुड्डू पंडित (अली फज़ल) और बबलू पंडित (जितेंद्र कुमार) नजर आ रहे हैं.फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 11 अगस्त को रिलीज किया जाएगा. ट्रेलर से दो दिन पहले जारी किए गए इन पोस्टर्स ने 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइज़ी के प्रशंसकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है. पोस्टर्स में फ्रेंचाइज़ी के चर्चित किरदारों की वापसी को रेखांकित किया गया है, जो लंबे समय से दर्शकों के बीच लोकप्रिय रहे हैं.

'मिर्जापुरः द मूवी' के जरिए पहली बार इस चर्चित सीरीज की दुनिया को बड़े पर्दे पर पेश किया जा रहा है. फिल्म दर्शकों को 'मिर्जापुर' की उसी दुनिया में वापस ले जाएगी, जहां सत्ता, अपराध, बदले और रिश्तों की जटिल कहानी देखने को मिलेगी.

11वें दिन 'स्पाइडर-मैन' का बड़ा धमाका, 400 करोड़ पार

हॉलीवुड सुपरहीरो फिल्म 'स्पाइडर-मैन: ब्रैंड न्यू डे' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ऐसा रिकॉर्ड बना दिया है, जिसे हासिल करना अब तक किसी हॉलीवुड फिल्म के लिए आसान नहीं रहा. टॉम हॉलैंड स्टारर इस फिल्म ने रिलीज के 11वें दिन अपनी कमाई में करीब 11.9 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और भारत में 400 करोड़ रुपये की नेट कमाई का आंकड़ा पार कर लिया. इसके साथ ही यह देश में 400 करोड़ रुपये नेट

कमाने वाली पहली हॉलीवुड फिल्म बन गई है. फिल्म की लगातार मजबूत कमाई ने बॉक्स ऑफिस पर इसके दबदबे को और मजबूत कर दिया है. रविवार को फिल्म के कलेक्शन में आई बढ़ोतरी ने इसकी कमाई की रफ्तार को एक बार फिर साबित किया. रिलीज के दूसरे सप्ताह में पहुंचने के बावजूद फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है. मल्टीप्लेक्स से लेकर सिंगल स्क्रीन तक फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिल

ऑटो मोबाइल

पंच बनी नंबर-1 एसयूवी, जुलाई में धमाल

भारतीय वाहन बाजार में स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन यानी एसयूवी की बढ़ती लोकप्रियता के बीच जुलाई 2026 के बिक्री आंकड़ों ने टाटा मोटर्स के लिए बड़ी उपलब्धि दर्ज की है. कंपनी की छोटी एसयूवी टाटा पंच ने जुलाई में बिक्री के मामले में हुंडई क्रेटा, महिंद्रा स्कॉर्पियो और टाटा नेक्सन जैसी लोकप्रिय गाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए एसयूवी श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया. खास बात यह है कि पंच सबसे ज्यादा बिकने वाली पांच कारों में जगह बनाने वाली इकलौती एसयूवी भी रही.

टाटा पंच को भारतीय बाजार में वर्ष 2021 में पेश किया गया था. बाजार में आने के बाद से ही इस छोटी एसयूवी को ग्राहकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है. इसका छोटा आकार, एसयूवी जैसा रूप और शहरों में आसान संचालन इसे छोटे परिवारों और शहरों में रहने वाले ग्राहकों के बीच लोकप्रिय बनाता है.

समय के साथ कंपनी ने इसमें कई बदलाव किए और इस साल जनवरी में पंच का नया रूप भी बाजार में उतारा गया. नए रूप में किए गए बदलावों का असर इसकी बिक्री पर भी दिखाई दिया. नए बाहरी रूप और बेहतर सुविधाओं के साथ आने वाली पंच ने ग्राहकों के बीच अपनी पकड़ और मजबूत की. यही वजह है कि साल की शुरुआत से ही यह गाड़ी बिक्री के मामले में लगातार चर्चा में बनी रही. जून 2026 में टाटा पंच ने मारुति सुजुकी डिजायर को पीछे छोड़ते हुए भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का खिताब हासिल किया था. हालांकि जुलाई में इसकी कुल बिक्री की सूची में यह पांचवें स्थान पर रही, लेकिन एसयूवी श्रेणी में पंच ने अपनी बढ़त कायम रखी. इस प्रदर्शन ने एक बार फिर दिखाया कि भारतीय ग्राहक अब छोटी और सुविधाओं से भरपूर एसयूवी को भी तेजी से पसंद कर रहे हैं.

3 लाख की कार में 33 का माइलेज

मारुती की कीमत और माइलेज दोनों शानदार

भारतीय कार बाजार में बजट सेगमेंट की गाड़ियों की अपनी अलग जगह है. खासकर मिडिल क्लास परिवारों के लिए कार खरीदते समय कीमत, माइलेज, मेंटेनेंस और शहर में ड्राइविंग की सुविधा सबसे अहम फैक्टर होते हैं. ऐसे में मारुति ऑल्टो के10 एक ऐसी कार है, जिसे इन जरूरतों को ध्यान में रखकर देखा जा सकता है. कॉम्पैक्ट आकार और पेट्रोल इंजन के साथ आने वाली यह कार शहरों में रोजाना इस्तेमाल के लिए तैयार की गई है.

ऑल्टो के10 में 1.0 लीटर, तीन सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलता है. यह इंजन 69 एचपी की अधिकतम पावर और 91 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है.

कार में 5-स्पीड मैनुअल के साथ एएमटी गियरबॉक्स का विकल्प दिया जाता है. खासतौर पर शहर के ट्रैफिक में एएमटी वेरिएंट उन ड्राइवरों के लिए सुविधाजनक हो सकता है, जो बार-बार क्लच और गियर बदलने की परेशानी से बचना चाहते हैं.

डुकाटी ने लॉन्च की नई मॉन्स्टर

प्रीमियम मोटरसाइकिल पसंद करने वाले भारतीय ग्राहकों के लिए डुकाटी ने अपनी लोकप्रिय मॉन्स्टर का नया रूप बाजार में उतार दिया है. मोटरसाइकिल निर्माता डुकाटी ने भारतीय बाजार में 2026 डुकाटी मॉन्स्टर को नए इंजन के साथ पेश किया है. नई मोटरसाइकिल में पहले से अलग और अधिक क्षमता वाला इंजन दिया गया है, जिससे इसके प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया है. दमदार इंजन और आकर्षक रूप के कारण यह मोटरसाइकिल तेज रफ्तार और प्रीमियम सवारी पसंद करने वाले ग्राहकों को आकर्षित कर सकती है.

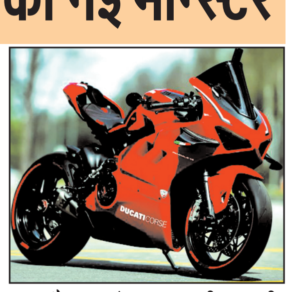

नई डुकाटी मॉन्स्टर में 890 सीसी क्षमता का इंजन लगाया गया है. यह इंजन 111 पीएस की अधिकतम शक्ति और 91.1 न्यूटन मीटर का अधिकतम बल पैदा करता है. इंजन को छह गति वाले गियरबॉक्स से जोड़ा गया है. छह गति वाला गियरबॉक्स मोटरसाइकिल को अलग-अलग गति और सड़क की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर ढंग से चलाने में मदद करता है. मॉन्स्टर को डुकाटी की सबसे चर्चित मोटरसाइकिलों में गिना जाता है.

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 440 जल्द होगी लॉन्च

भारतीय मोटरसाइकिल बाजार में एडवेंचर बाइक की मांग लगातार बढ़ रही है. खासकर ऐसे ग्राहक जो लंबी दूरी की यात्रा, पहाड़ी रास्तों और खराब सड़कों पर भी आरामदायक सफर चाहते हैं, उनके बीच इस श्रेणी की मोटरसाइकिलों की लोकप्रियता बढ़ी है. इसी मांग को देखते हुए रॉयल एनफील्ड जल्द ही अपनी नई हिमालयन 440 को भारतीय बाजार में उतार सकती है. नई हिमालयन 440 कंपनी के एडवेंचर मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगी. इसे रॉयल एनफील्ड स्क्रैम 440 के आधार पर तैयार किए जाने की उम्मीद है. नई बाइक को मजबूत और रफ-टफ डिजाइन के साथ पेश किया जा सकता है, जिससे यह ऑफ-रोड यात्राओं के लिए बेहतर विकल्प बन सके.

हिमालयन 440 में 443 सीसी क्षमता का वायु और तेल से ठंडा होने वाला एक सिलेंडर वाला एलएस 440 इंजन मिलने की संभावना है. यह इंजन स्क्रैम 440 में 25.4 बीएचपी की शक्ति और 34 न्यूटन मीटर का अधिकतम बल पैदा करता है.

इंजन को छह गति वाले गियरबॉक्स के साथ जोड़ा जा सकता है, जिससे अलग-अलग परिस्थितियों में मोटरसाइकिल को बेहतर तरीके से चलाने में मदद मिलेगी.

यंग इंडिया

एनटीपीसी में 135 पदों पर भर्ती

2 लाख तक सैलरी का मौका

इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स के लिए सरकारी क्षेत्र की महारत्न कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड में करियर बनाने का बड़ा अवसर सामने आया है. एनटीपीसी ने डिप्टी मैनेजर के 135 पदों पर सीधी भर्ती के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया है. इस भर्ती के तहत इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और कंट्रोल एंड इंस्ट्रूमेंटेशन विभागों में रिक्त पदों को भरा जाएगा. योग्य और इच्छुक उम्मीदवार 12 अगस्त 2026 से 26 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे.

भर्ती अभियान में डिप्टी मैनेजर के कुल 135 पद हैं. इनमें मैकेनिकल के 55 पद, इलेक्ट्रिकल के 40 पद और कंट्रोल एंड इंस्ट्रूमेंटेशन के 40 पद शामिल हैं. पद इ4 ग्रेड के हैं और इसके लिए संबंधित इंजीनियरिंग क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यता के साथ निर्धारित कार्य अनुभव भी जरूरी होगा. शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से संबंधित विषय में फुल-टाइम बीई या बीटेक डिग्री होनी चाहिए.

अब डॉक्टर बनने का सपना होगा आसान

डॉक्टर बनने का सपना देखने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मेधावी छात्रों के लिए अच्छी खबर है. आंध्र प्रदेश में मेडिकल शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने के लिए एक नई स्कॉलरशिप पहल शुरू की गई है.

फिनिक्स फाउंडेशन और डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले जरूरतमंद छात्रों को आर्थिक सहायता देने के लिए समझौता किया है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिभाशाली छात्रों की मेडिकल शिक्षा केवल पैसों की कमी के कारण बीच में न रुके.

इस स्कॉलरशिप कार्यक्रम के तहत चयनित प्रत्येक छात्र को हर साल कम से कम 1.5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी. यह मदद छात्र के एमबीबीएस कोर्स पूरा होने तक जारी रहने की योजना है. सहायता का इस्तेमाल पढ़ाई से जुड़े जरूरी खर्चों को पूरा करने के लिए किया जाएगा.

बिहार में डॉक्टरों की 450 भर्ती

बिना परीक्षा मिलेगी नौकरी

बिहार में सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे डॉक्टरों के लिए बड़ी भर्ती सामने आई है. स्टेट हेल्थ सोसाइटी बिहार ने नेशनल हेल्थ मिशन के तहत स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के 450 पदों पर सीधी भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है. इस भर्ती में सबसे खास बात यह है कि उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा या इंटरव्यू के जरिए नहीं होगा.

अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी और इसी के आधार पर चयन किया जाएगा. चयनित डॉक्टरों को पोस्ट के अनुसार हर महीने 90 हजार से 1.20 लाख रुपये तक वेतन मिल सकता है. भर्ती अभियान के तहत छह प्रमुख मेडिकल स्पेशलिटी में पद भरे जाएंगे. इनमें एनेस्थेटिस्ट के 132 पद, पीडियाट्रिशियन के 115 पद, गायनकोलॉजिस्ट के 94 पद, एमडी मेडिसिन/ फिजिशियन के 60 पद, जनरल सर्जन के 27 पद और ऑर्थोपेडिक सर्जन के 22 पद शामिल हैं. इस तरह अलग-अलग विशेषज्ञता वाले डॉक्टरों के लिए सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में नियुक्ति पाने का अच्छा मौका है.

आवेदन प्रक्रिया 7 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे से शुरू हो चुकी है. योग्य उम्मीदवार 21 अगस्त 2026 शाम 6 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. अभ्यर्थियों की पात्रता और उम्र की गणना के लिए 1 अगस्त 2026 को कटऑफ तिथि माना गया है. इस भर्ती में आवेदन करने वाले उम्मीदवार के पास संबंधित स्पेशलिटी एमबीबीएस के साथ एमडी, एमएस, एमडी या मान्य डिप्लोमा होना जरूरी है.

इसके अलावा उम्मीदवार का संबंधित मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण भी अनिवार्य है. आयु सीमा की बात करें तो न्यूनतम उम्र 21 वर्ष निर्धारित है. अनारक्षित और ईडब्ल्यूएस पुरुष अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम उम्र 37 वर्ष है. पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग और अनारक्षित महिला अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु 40 वर्ष, जबकि एससी/एसटी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 42 वर्ष तक की आयु निर्धारित की गई है. चयन प्रक्रिया में कुल 100 अंकों की मेरिट तैयार की जाएगी. इसमें एमबीबीएस के अंकों को 60 अंक का वेटेज दिया जाएगा, जबकि संबंधित पीजी डिग्री के लिए 40 अंक और डिप्लोमा के लिए 30 अंक का वेटेज निर्धारित है. मेरिट के आधार पर चयन के बाद दस्तावेज सत्यापन कराया जाएगा.

हिमाचल के युवाओं के लिए दुबई में 1200 नौकरियां

हिमाचल प्रदेश के उन युवाओं के लिए विदेश में नौकरी पाने का बड़ा मौका सामने आया है, जो आईटीआई या तकनीकी प्रशिक्षण हासिल करने के बाद रोजगार की तलाश कर रहे हैं. दुबई की लक्सरिज बिल्डिंग कॉन्ट्रेक्टिंग कंपनी में विभिन्न तकनीकी और निर्माण क्षेत्र से जुड़े कुल 1200 पदों पर भर्ती की जाएगी. इन पदों के लिए कंपनी की ओर से 14 अगस्त को मंडी जिले के सरकाघाट में इंटरव्यू आयोजित किए जाने हैं. यानी इच्छुक युवाओं को प्रारंभिक चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए दुबई जाने की जरूरत नहीं होगी.

भर्ती अभियान में अलग-अलग तकनीकी कामों के लिए बड़ी संख्या में पद रखे गए हैं. इनमें 180 प्लंबर, 212 इलेक्ट्रिशियन, 112 डक्टमैन, 60 सीएचडब्ल्यू पाइप फिटर, 170 स्टील फिक्सर, 140 शटरिंग कारपेंटर, 70 मैसन ऑलराउंडर, 26 स्कैफोल्डर और 210 सिविल हेल्पर के पद शामिल हैं. इसके अलावा स्टील, जनरल और सिविल फिनिशिंग के फोरमैन के 10 तथा प्लंबिंग, डक्टिंग और चिल्ड वॉटर से जुड़े फोरमैन के 10 पद भी भरे जाएंगे. चयनित उम्मीदवारों को उनके पद, योग्यता और अनुभव के आधार पर 28 हजार रुपये से 1.10 लाख रुपये तक मासिक वेतन दिया जाएगा. नियमित ड्यूटी आठ घंटे की होगी. इसके अतिरिक्त प्रतिदिन दो घंटे ओवरटाइम करने वाले कर्मचारियों को अलग से भुगतान मिलने की बात कही गई है. कंपनी की ओर से कर्मचारियों को रहने की सुविधा, परिवहन और मेडिकल सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई है.